

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(22)/2022-23/437
Dated: 06.10.2022

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 18-1/ (18-1-1) dated 18.08.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

**Syllabi of Semester-I of the following departments under Faculty of Arts based on
Under Graduate Curriculum Framework -2022 to be implemented from the
Academic Year 2022-23.**

FACULTY OF ARTS

Department of Hindi

BA (Hons.) Hindi

Category-I

हिंदी कविता (आदिकाल एवं निर्गुणभक्ति काव्य)

Core Course - (DSC)-1

कोर कोर्स 1

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : आदिकाल एवं निर्गुण भक्तिकाव्य	कोर कोर्स (DSC) 1	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भवित्कालीन साहित्य से अवगत कराना।
2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों – चंदबरदाई और विद्यापति की विषिष्ट भूमिका रही है। इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3. निर्गुणभक्ति काव्य के अंतर्गत – संतकाव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवियों – कबीर, जायसी आदि का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना।

Course learning outcomes

1. आदिकाल के परिवेष – राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हो सकेंगे।
2. आदिकाल में चंदबरदाई के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
3. भवित्काल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
4. भवित्काल के साहित्य में सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विषिष्ट उपलब्धि है।

Unit 1

(15 घंटे)

चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
(साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद)

बानवेद्य समय
कविता (10-11)

- प्रथम मुकिक दरवार। लज्ज संर सुरतानी ॥

किहि थान लोइ संभरि घनी। कहौ सुबत्त लज्जौ न लजि ॥

बानवेद्य समय
दूहा (20-33, 49)

- हम अबुद्धि सुरतान इह। भट्ट भाष सुष काज ॥

प्रथम राज पासहु गयौ। जब रुक्कयौ दह हथ्थ ॥

- चयै चंद बरदाइ इम। सुति मीरन सुनतान ॥
दे कमान चौहान काँ। साहि दियै कछु दान ॥

बानबेध समय

पद्धरी (50-53)

- संगहें पान कम्मान राज। उभरे अंग अंतर विराज ॥

निसुरति आनि दिय साहि हथ्थ। तरकस्स तीर गोरी गुरथ्थ ॥

बानबेध समय

कविता (54,55,56)

- ग्रहिय तीर गोरिस्स। कीन बिन इच्छ अप्प कर ॥

शृगांर वीर करुना विभछ। भय अद्भुत इसंत सम ॥

Unit 2

विद्यापति – सं. डॉ. विव्रसाद सिंह, (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

(15 घंटे)

वंशी माधुरी

- नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे

वन्दह नन्दकिसोरा ॥

रूप वर्णन

- देख—देख राधा—रूप अपार

करु अभिलाख मनहि पद—पंकज अहोनिसि कोर अगोरि ॥

पद—14

- चाँद—सार लए मुख घटना करु लोचन चकित चकोरे ॥

रूप नरायन ई रस जानथि सिवसिंघ मिथिला भूपे ॥

पद—24

- बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर

रूपनरायन जाने ॥

Unit 3

कबीर – कबीर – ग्रंथावली, संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास

(नागरी प्रचारणी सभा वाराणसी)

सार्खी : गुरुदेव कौ अंग – 1 से 16 तक

विरह कौ अंग – 1 से 8, 21,22,23,44,45

पद संख्या – 378,400

(15 घंटे)

Unit 4

(15 घंटे)

जायसी – जायसी ग्रंथावली – (सं.) रामचंद्र शुक्ल
मानसरोदक खण्ड

References

- त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
- सूफी कविता की पहचान – यश गुलाटी
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)
Core Course - (DSC)-2
 कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	कोर कोर्स (DSC) 2	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course learning outcomes

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विष्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्धति

Unit 1 (15 घंटे)

हिंदी साहित्य : इतिहास-लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल-विभाजन एवं नामकरण

Unit 2 (15 घंटे)
 आदिकाल

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांकृतिक परिवेष और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

Unit 3

(15 घंटे)

भवित्काल (पूर्वमध्यकाल)

- भवित्व – आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भवित्व साहित्य की दार्पणिक पृष्ठभूमि
- भवित्काल की धाराएँ :
 1. निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)
 2. सगुण धारा (रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

Unit 4

(15 घंटे)

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

- युगीन पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक परिवेष, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य – प्रवृत्तियाँ
 1. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध
 2. रीतिमुक्त काव्य
 3. वीरकाव्य, भवित्काव्य, नीतिकाव्य

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : संपा, अनिल राय
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स – रसाल सिंह

Additional Resources:

- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध – मुकेष गर्ग
- भवित्व आंदोलन के सामाजिक आधार – संपा, गोपेश्वर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा, डा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन घर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1

4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2

7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3

10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
 13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

असाइनमेंट

इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी कहानी

Core Course - (DSC)-3

कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कहानी	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

हिंदी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी
 कहानी विष्लेषण की समझ
 कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विष्लेषण
 प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार

Course learning outcomes

हिंदी कथा साहित्य का परिचय
 कहानी लेखन और प्रभाव का विष्लेषण
 प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विष्लेषण की समझ

Unit 1 (15 घंटे)

उसने कहा था – गुलेरी
 पंच परमेष्ठर – प्रेमचंद

Unit 2 (15 घंटे)

तीसरी कसम – रेणु
 चीफ की दावत – भीष्म साहनी

Unit 3 (15 घंटे)

वारिस – मोहन राकेष
 यापसी – उषा प्रियंवदा

Unit 4 (15 घंटे)

दोपहर का भोजन – अमरकान्त
 घुसपैठिए – ओमप्रकाष वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
एक दुनिया समानान्तर – राजेंद्र यादव
हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरप मिश्र
हिंदी कहानी का इतिहास – गोपल राय
नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीषंकर अवस्थी
हिंदी कहानी का विकास – मधुरेष
हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

Additional Resources:

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकापित मोनोग्राफ – गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त
कहानी का लोकतन्त्र – पल्लव
पत्रिकाएँ – पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य
ई पत्रिका – हिंदी समय, गद्य कोष

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कहानी

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

**Common Pool of Generic Elective (Courses) offered by
Department of Hindi
Category-IV**

हिंदी का वैधिक परिदृश्य

Generic Elective – (GE) /Language
Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का वैधिक परिदृश्य	GE/ Language	4	3	1	“	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषाकौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन
- विश्व की प्रमुख भाषाओं से विद्यार्थी का परिचय कराना
- वैधिक स्तर पर हिन्दी भाषा की स्थिति और स्वरूप से विद्यार्थी का परिचय कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फ़िल्ड वर्क आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

Course learning outcomes

भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा

- स्रातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा
- वार्तालाप भाषण संवाद समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा

Unit 1

(15 घंटे)

- विश्व में बोली जाने वाली किन्हीं दो भाषाओं का संक्षिप्त परिचय, मंदारिन, अंग्रेज़ी, हिन्दी, स्पेनिश, रूसी ए जापानी

- वैश्विक स्तर पर हिन्दी का स्थान (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप (मॉरीशस, सूरीनाम, फ़िजी में हिन्दी)

Unit 2 (15 घंटे)

- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी का प्रयोग
- हिन्दी के विकास में विश्व हिन्दी सम्मलेन की भूमिका
- विश्व हिन्दी दिवस (संक्षिप्त परिचय)

Unit 3 (15 घंटे)

- किसी एक विश्व हिन्दी सम्मलेन की रिपोर्ट प्रस्तुति
- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी के प्रयोग पर अनुच्छेद लेखन
- विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर विज्ञापन के प्रारूप का निर्माण

Unit 4 (15 घंटे)

- विदेशों में हिन्दी भाषा की प्रमुख लोकप्रिय पुस्तकों की सूची बनाना
- विदेशों में हिन्दी की प्रमुख लोकप्रिय फ़िल्में, गीत, संकलन
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी की संभावनाएँ, समूह चर्चा पर रिपोर्ट प्रस्तुति

References

- हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक (डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल) लोकभारती प्रकाशन संस्करण 1994
- हिन्दी भाषा (हरदेव बाहरी) अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी (सिद्धांत और प्रयोग) दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
- मानक हिन्दी का स्वरूप (भोलानाथ तिवारी) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
- रचनात्मक लेखन (सं रमेश गौतम) भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016

भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका (विद्यानिवास मिश्र) विहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1

- 4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
 7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
 10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
 13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

पारिभाषित शब्दावली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

हिंदी सिनेमा जगत की जानकारी

सिनेमा के निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबंधित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course learning outcomes

हिंदी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ

सिनेमा निर्माण, प्रसार कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

Unit 1

(15 घंटे)

सिनेमा : सामान्य परिचय

- जनमाध्यम के रूप में सिनेमा,
- सिनेमा की इतिहास यात्रा
- सिनेमा के प्रकार – व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।

Unit 2

(15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन

- सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
- हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय बाजार
- हिंदी सिनेमा का अंतरराष्ट्रीय बाजार

Unit 3

(15 घंटे)

सिनेमा अंतर्वर्स्तु और तकनीक

1. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
2. कैमेरा, लाइट, साउंड
3. सिनेमा और सेंसरबोर्ड

Unit 4

(15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन की दिशाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
2. हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान (अचूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला, शोले, सदगति, अमर अकबर एंथनी, पीकू, मधुमती)
3. सिनेमा के दृष्टि, तकनीक, कहानी, स्पेषल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत, संगीत आदि की समीक्षा

References

1. फिल्म निर्देशन – कुलदीप सिन्हा
2. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
3. नया सिनेमा – ब्रजेश्वर मदान
4. भारतीय सिने सिद्धांत – अनुपम ओझा
5. सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज
6. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रकाशन विभाग
7. हिंदी सिनेमा का समाजपास्त्र, जवरीमल पारख

Additional Resources:

विष्व सिनेमा में स्त्री विजय शर्मा

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विष्लेषण

- 1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
- 4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
- 7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
- 10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
- 13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

सिनेमा, हिंदी सिनेमा, फिल्म समीक्षा, फिल्म तकनीक, सेंसर बोर्ड

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

अनुवाद की समझ विकसित करना
व्यावहारिक और क्षेत्र विषेष में अनुवाद गतिविधियों का परिचय देना

Course learning outcomes

अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी
क्षेत्र विषेष की माँग से परिचित होगें

Unit 1 (15 घंटे)

भारत का भाषायी परिदृश्य और अनुवाद का महत्व
अनुवाद का स्वरूप
अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2 (15 घंटे)

प्रयुक्ति की आवधारणा
अनुवाद और विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3 (15 घंटे)

अनुवाद व्यवहार -1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
सर्जनात्मक साहित्य
ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य

Unit 4 (15 घंटे)

अनुवाद व्यवहार 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
जनसंचार
प्रधासनिक अनुवाद और बैकिंग अनुवाद

References

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. नरेंद्र
अनुवाद के सिद्धांत – रामानु रेड्डी
अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर) – हेमचन्द्र पाण्डेय
कार्यालय प्रदीपिका – हरि बाबू कंसल

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद – सुरेष सिंहल
काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – नवीन चंद्र सहगल
कोष विषेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली – सं विमलेष कांति वर्मा
अनुवाद और तत्काल भाषातरण – विमलेष कांति वर्मा
The theory and practice of Translation – Nida E.
Language, Structure & Translation – Nida E.
Routledge Encyclopedia of Translation – Baker, Mona
Translation Evaluation – House, Juliane
Machine Translation: Its Scope and Limits – Wilks, Vorick
Translation and Interpreting – Baker H.
Revising and Editing for Translators – Mossop B.
Introducing Translation Studies: Theories and applications – Munday J.
The Routledge Companion to Translation Studies – Munday J.
Comprehensive English – Hindi Dictionary – Raghbir
Oxford Hindi – English Dictionary – R.S. McGregor
English- Hindi Dictionary – Hardeo Bahari

Teaching learning process

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
पारिभाषिक शब्दावली

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(22)/2022-23/245

Dated: 31.10.2022

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 18-1-13 dated 18.08.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AECs) UNDER UGCF-2022

**LISTED UNDER APPENDIX-II-A TO THE ORDINANCE V (2-A) OF THE
ORDINANCES OF THE UNIVERSITY
(With effect from Academic Year 2022-23)**

{Environmental Science: Theory to Practical (Course 1) and any chosen Indian Language (Course 1) from AEC Pool shall be studied in flip mode in Semester I and Semester II. Similarly, Environmental Science: Theory to Practical (Course 2) and Course 2 of the Same Language as chosen in First Year shall be studied in flip mode in Semester III and Semester IV}

**FOLLOWING ARE THE SYLLABI OF POOL OF ABILITY ENHANCEMENT
COURSES OFFERED UNDER UGCF-2022 IN FIRST YEAR**

ABILITY ENHANCEMENT COURSE
Offered by
DEPARTMENT OF HINDI

AEC 1:हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार (हिन्दी क)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार	02	2	--	---	हिन्दी - क (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है।)	हिन्दी - क (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है।)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives)

- सम्प्रेषण के स्वरूप और सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना
- सम्प्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देना
- प्रभावी सम्प्रेषण का गुण विकसित करना
- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ावा देना
- संचार माध्यमों के लिए लेखन कौशल का विकास

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes)

- संप्रेषण की अवधारणा और प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे
- संप्रेषण की तकनीक और कार्यशैली की बहुआयामी समझ का विकास
- प्रभावी सम्प्रेषण करना सीखेंगे

- पत्र-लेखन, प्रतिवेदन, अनुच्छेद लेखन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे
- मीडिया के विविध रूपों के लिए लेखन करना

SYLLABUS OF AEC-1

इकाई 1: सम्प्रेषण: सामान्य परिचय (1-7 सप्ताह)

- सम्प्रेषण की अवधारणा
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विविध आयाम
- सम्प्रेषण और संचार

इकाई 2 : सम्प्रेषण और संचार के विविध रूप (8-15 सप्ताह)

- सम्प्रेषण के प्रकार
- सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट तैयार करना संभावित विषय: (कोरोना और मानसिक स्वास्थ्य, जागरूकता संबंधी अभियान, कूड़ा निस्तारण योजना)
- अनुच्छेद लेखन, संवाद लेखन, डायरी लेखन
- ब्लॉग लेखन, सम्पादकीय लेखन

सहायक पुस्तकें :

1. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी: सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
2. सूचना और सम्प्रेषण: तकनीकी की समझः स्मिता मिश्र
3. सम्प्रेषण: चिन्तन और दक्षता: मंजु मुकुल
4. संवाद पथ पत्रिका: केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
5. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. सम्प्रेषणपरक व्याकरण: सिद्धांत और स्वरूप: सुरेश कुमार

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

AEC 2:हिंदी औपचारिक लेखन (हिन्दी ख)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice			
हिंदी औपचारिक लेखन	02	2	--	---	हिंदी - ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिंदी - ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिन्दी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और लेखन-कौशल को बढ़ावा देना
- कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की समझ विकसित करना
- हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक के अंतः संबंध को रेखांकित करना
- कार्यालयों में व्यावहारिक कार्य के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की विशेषताओं से परिचित होंगे

- कार्यालयों में होने वाले व्यावहारिक कार्य का ज्ञान
- सूचना के अधिकार के लिए लेखन करना सकेंगे
- मार्केट सर्वेक्षण हेतु प्रश्नावली का निर्माण तथा उसका विश्लेषण करना जानेंगे
- विद्यार्थी टिप्पणि, प्रारूपण, प्रतिवेदन, विज्ञप्ति तैयार करना सीख सकेंगे

SYLLABUS OF AEC-2

इकाई- 1: लेखन दक्षता का विकास (1-7 सप्ताह)

- कार्यालयी हिंदी
- व्यावसायिक हिंदी
- टिप्पणि और प्रारूपण : सामान्य परिचय
- प्रतिवेदन और विज्ञप्ति का महत्व

इकाई- 2: औपचारिक लेखन के प्रकार (8-15 सप्ताह)

- स्ववृत्त लेखन
- सूचना के अधिकार के लिए लेखन
- कार्यालयी और व्यावसायिक पत्र लेखन
- किसी व्यावसायिक कार्यक्रम के संदर्भ में प्रेस विज्ञप्ति तैयार करना

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक और कार्यालयी हिन्दी: कृष्णकुमार गोस्वामी
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका: कैलाशचन्द्र पाण्डेय
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग: दंगल झाल्टे
4. प्रशासनिक हिन्दी: हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन
5. राजभाषा हिन्दी और उसका विकास: हीरालाल बाछोतिया, किताबघर प्रकाशन

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

AEC 3 :सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन (हिन्दी ग)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice			
सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन	02	2	--	---	हिंदी - ग (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिंदी - ग (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिन्दी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- सोशल मीडिया की कार्यशैली की समझ
- सोशल मीडिया के महत्व और प्रभाव से मूल्यांकन
- ब्लॉग बनाना और लेखन
- सोशल मीडिया का व्यावहारिक ज्ञान

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जानकारी मिलेगी।
- सोशल मीडिया की कार्य-शैली की समझ विकसित होगी।
- ब्लॉग लेखन करने के साथ हिंदी के प्रमुख ब्लॉगों का अध्ययन और विश्लेषण कर सकेंगे।
- सोशल मीडिया के महत्व और उसकी भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे।

- विद्यार्थी सोशल मीडिया पर कार्य करना सीख सकेंगे

SYLLABUS OF AEC-3

इकाई 1. सोशल मीडिया और ब्लॉग

- सोशल मीडिया : अर्थ और परिभाषा
- सोशल मीडिया का प्रभाव और महत्व
- सोशल मीडिया के प्रकार (विकीपीडिया, ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, ट्विटर, यूट्यूब, इनस्टाग्राम आदि)
- ब्लॉग लेखन: सामान्य परिचय

इकाई 2: सोशल मीडिया का व्यावहारिक पक्ष

- किसी सामाजिक अभियान के प्रचार के लिए सोशल मीडिया हेतु एक विज्ञापन तैयार करना
- अपना निजी ब्लॉग तैयार करने की प्रक्रिया
- सोशल मीडिया से बनने वाली किसी खबर पर रिपोर्ट तैयार करना
- सोशल मीडिया से सम्बन्धित विविध विषयों पर आलेख तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

1. सामाजिक मीडिया और हम: रवीन्द्र प्रभात, नोशन प्रेस
2. सोशल मीडिया: स्वर्ण सुमन, हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर इण्डिया
3. भूमंडलीकरण और मीडिया: कुमुद शर्मा
4. मीडिया और हिन्दी: बदलती प्रवृत्तियाँ: रविन्द्र जाधव, वाणी प्रकाशन
5. रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, प्रथम संस्करण- 1974
6. रेडियो वार्ता शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम प्रकाशन- 1992

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(22)/2022-23/198

Dated: 06.09.2022

TC

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 18-1-21 dated 18.08.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

**SKILL ENHANCEMENT COURSES (SECS)
UNDER
UGCF-2022**

**LISTED UNDER APPENDIX-II-A TO THE ORDINANCE V (2-A) OF THE
ORDINANCES OF THE UNIVERSITY
(With effect from Academic Year 2022-23)**

The NEP 2020 envisages imparting life skills as well as technical and professional skills as part of holistic education. University of Delhi has prepared various Skill Enhancement Courses in different domains to provide kinds of skills to the students, such as Communication Skills, Computer related skills, Coding skills, financial management skills, etc. with higher degree of hands on learning so as to equip them with the skills of their choice suitable to the academic path they choose.

A student who pursues any undergraduate programme in the University and its Colleges is offered a pool of Skill Enhancement Courses, from which he has to choose one to study in the first Semester. A list of such courses as passed by the Executive Council in its meeting dated 18.08.2022 is as below:

SL.NO.	COURSE TITLE	TOTAL CREDITS: 2
1	Advanced Spreadsheets Tools	
2	Analytics/ Computing With Python	
3	APP Development using Flutter	
4	Back-End Web Development	
5	Basic IT Tools	

6	Big Data Analytics
7	Beginners Course to Calligraphy
8	Business Communication
9	Business Intelligence and Data Visualisation
10	CAD for Fashion
11	Communication in Everyday Life
12	Communication in Professional Life
13	Creative Writing
14	Cyber Sphere and Security : Global Concern
15	Developing sustainability plans for a business
16	Digital Film Production
17	Digital Marketing
18	Essentials of Python
19	E-Tourism
20	Finance for Everyone
21	Financial Database and Analysis Software
22	Front End Web Design and Development
23	Graphics Design & Animation
24	Harmonium
25	Introduction to Arabic Calligraphy
26	Introduction to Blockchain
27	Introduction to Cloud Computing (AWS)
28	Negotiations and Leadership
29	Personal Financial Planning
30	Personality Development and Communication
31	Political Leadership and Communication
32	Programing with Python
33	Prospecting E-Waste for Sustainability
34	Public Speaking in English Language and Leadership
35	Statistical Software Package
36	Statistics with 'R'
37	Sustainable Ecotourism and Entrepreneurship
38	Visual Communication and Photography
39	पटकथा लेखन
40	रंगमंच
41	रचनात्मक लेखन



पटकथा लेखन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
पटकथा लेखन	2	0	0	2	12 th Pass	NIL

Course Objective:

- पटकथा लेखन का परिचय कराना।
- विद्यार्थी की लेखन-क्षमता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थी को लेखन में रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना।

Course Learning Outcomes:

- पटकथा लेखन तथा उसके तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- पटकथा लेखन की जानकारी मिलने के उपरान्त विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी।
- विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण को समझते हुए लेखन से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।

SYLLABUS

यूनिट 1

(4 सप्ताह)

- पटकथा लेखन: परिचय
- पटकथा के तत्व
- पटकथा के प्रकार
- पटकथा की शब्दावली

यूनिट 2

(4 सप्ताह)

- पटकथा लेखन में शोध का महत्व
- चरित्र की निर्मिति और विकास
- एक दृश्य का लिखा जाना
- तीन अंक (थ्री एक्ट) और पाँच अंक (फाइव एक्ट) को समझना



यूनिट 3

(4 सप्ताह)

- वेबसीरीज के लिए पटकथा लेखन
- लघु फ़िल्म के लिए पटकथा लेखन
- वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन
- विज्ञापन फ़िल्म के लिए पटकथा लेखन

यूनिट 4

(3 सप्ताह)

- पटकथा का पाठ और विश्लेषण
- किसी आईडिया को स्क्रीन प्ले के तौर पर विकसित करना

सन्दर्भ पुस्तकें:

- पटकथा कैसे लिखें: राजेंद्र पांडेय - वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2015
- पटकथा लेखन : एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2000
- कथा-पटकथा: मन्न भंडारी - वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2014
- व्यावहारिक निर्देशिका: पटकथा लेखन: असग़र वज़ाहत - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2011
- आईडिया से परदे तक: रामकुमार सिंह - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2021

Examination Scheme & Mode:

Total Marks: 100

Internal Assessment: 25 marks

Practical Exam (Internal): 25 marks

End Semester University Exam: 50 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.



रंगमंच

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
रंगमंच	2	0	0	2	12 th pass	NIL

Course Objective:

- हिन्दी रंगमंच का सामान्य परिचय कराना ।
- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया की जानकारी देना ।
- अभिनय के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना ।
- रंगमंच के खेलों और गतिविधियों से अवगत कराना ।

Course Learning Outcomes:

- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।
- रंगमंच की सामान्य जानकारी मिलने के उपरान्त इस क्षेत्र में विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी ।
- रंगमंचीय गतिविधियों से विद्यार्थी के व्यक्तित्व का विकास हो सकेगा ।
- विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

SYLLABUS

यूनिट 1

(4 सप्ताह)

- भरत मुनि कृत नाट्यशास्त्र (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का पारंपरिक रंगमंच (संक्षिप्त परिचय)

यूनिट 2

(4 सप्ताह)

प्रस्तुति-प्रक्रिया: आलेख का चयन, अभिनेताओं का चयन, दृश्य-परिकल्पना (ध्वनि-संगीत-नृत्य-प्रकाश), पूर्वाभ्यास



यूनिट 3

(4 सप्ताह)

अभिनय की तैयारी: वाचिक, आंगिक, आहार्य, सात्त्विक

यूनिट 4

(2 सप्ताह)

आशु अभिनय, थिएटर गेम्स, संवाद-वाचन, शारीरिक अभ्यास, सीन वर्क

यूनिट 5

(1 सप्ताह)

मंच प्रबंधन: सेट, रंग-सामग्री, प्रचार-प्रसार, ब्रोशर-निर्माण

सन्दर्भ पुस्तकें:

- संक्षिप्त नाट्यशास्त्रम - राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- रंग स्थापत्य: कुछ टिप्पणियाँ - एच. वी. शर्मा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय प्रकाशन, दिल्ली, 2004
- पारंपरिक भारतीय: रंगमंच अनंतधाराएँ - कपिला वात्स्यायन, अनुवाद - बदी उज्ज्मा, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 1995
- हिंदी रंगमंच का लौकपक्ष, सं प्रो. रमेश गौतम, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली 2020
- मंच आलोकन - जी. एन. दासगुप्ता, अनुवाद - अजय मलकानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 2006
- रंगमंच के सिद्धांत - सं महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2008

Examination Scheme & Mode:

Total Marks: 100

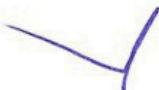
Internal Assessment: 25 marks

Practical Exam (Internal): 25 marks

End Semester University Exam: 50 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.



रचनात्मक लेखन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
रचनात्मक लेखन	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

- विद्यार्थियों के मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना।
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास करना।
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय कराते हुए लेखन की ओर प्रेरित करना।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन की प्रवृत्ति को विकसित करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:



इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थियों में:

- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित होने में मदद मिलेगी।
 - उसमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो सकेगा।
 - साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मकता शैली का परिचय होगा जिससे वे स्वयं भी इन विधाओं में लेखन की अग्रसर हो सकेंगे।
- ✓

SYLLABUS

इकाई 1

(5 सप्ताह)

रचनात्मक लेखन: अवधारणा: स्वरूप आधार एवं विश्लेषण

- आव एवं विचार की रचना में अभिव्यक्ति की प्रक्रिया
- अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र: साहित्य पत्रकारिता, विज्ञापन, भाषण
- लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्-पद्, कथात्मक-कथेतर
- अर्थ निर्मिति के आधार: शब्द और अर्थ की भीमांसा शब्द के पुराने-नए प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि

इकाई 2

भाषा भंगिमा और साहित्य लेखन

(5 सप्ताह)

- भाषा की भंगिमाएँ: औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषिक संदर्भ: क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचना-सौष्ठव: शब्दशक्ति, प्रतीक, दिन्द, अलंकारवक्रता
- कविता: संवेदना, भाषिक सौष्ठव, छंदवद्ध-छंदमुक्त, लय, गति, तुक
- कथा-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य और भाषा

Unit III

(5 weeks)

विविध विधाओं एवं सूचना माध्यमों के लिए लेखन

- नाट्य-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य, रंगमंच और नाट्य-भाषा
- विविध गद् विधाएँ: निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, व्यंग्य, रिपोर्टज, यात्रा-वृतांत
- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन: फीचर, यात्रा-वृतांत, साक्षात्कार, विज्ञापन



- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के लिए लेखन: विज्ञापन, पटकथा, संवाद

Practical Exercises if any:

नोट: उपर्युक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए।

References and suggested Readings

1. साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम: रघुवंश
2. शैली: रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन: सं. रमेश गौतम
4. कविता क्या है: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. कथा-पटकथा: मन्नू अंडारी
6. पटकथा लेखन: मनोहर श्याम जोशी
7. कला की जरूरत: अर्नेस्ट फिशर: अनुवादक: रमेश उपाध्याय
8. साहित्य का सौंदर्यशास्त्र: रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. कविता: रचना-प्रक्रिया: कुमार विमल

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100

Internal Assessment: 25 marks

Practical Exam (Internal): 25

marks

End Semester University Exam: 50 marks

The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

*hweh
16/9/12*

REGISTRAR

UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(22)/2022-23/ 197

Dated: 14.09.2022

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 18-1-20 dated 18.08.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

VALUE ADDITION COURSES (VACs)
UNDER
UGCF-2022
LISTED UNDER APPENDIX-II-A TO THE ORDINANCE V (2-A) OF THE
ORDINANCES OF THE UNIVERSITY
(With effect from Academic Year 2022-23)

In pursuance of the objectives outlined in the National Education Policy 2020, the Value Addition Courses (VACs) seek to fulfil the mandate of providing holistic education to the students. As the NEP elucidates, "the purpose of the education system is to develop good human beings capable of rational thought and action, possessing compassion and empathy, courage and resilience, scientific temper and creative imagination, with sound ethical moorings and values." The Value Addition Courses will introduce students to the rich heritage of the nation as well as to important social concerns of the current times, helping them to make connections between what they learn and how they live.

The courses have a sound theoretical base as well as appropriate hands-on components. At the same time, they clearly set out measurable and attainable Learning Outcomes. Knowledge, in essence, being integrated, these courses are essentially multidisciplinary in nature.

Designed to ignite the intellectual curiosity of the learners, the Value Addition courses will inspire and guide them in their journey of personal and professional development making them thoughtful, well-rounded, and creative individuals, with a sense of service and responsibility towards the Nation.

A student who pursues any undergraduate programme in the University and its Colleges is offered a pool of Value Addition Courses, from which he has to choose one to study in the first Semester. A list of such courses as passed by the Executive Council in its meeting dated 18.08.2022 is as below:

SL.NO.	COURSE TITLE	TOTAL CREDITS: 2
1	Ayurveda and Nutrition	
2	Constitutional Values and Fundamental Duties	
3	Culture and Communication	
4	Digital Empowerment	
5	Emotional Intelligence	
6	Ethics and Culture	
7	Ethics and Values in Ancient Indian Traditions	
8	Financial Literacy	
9	Fit India	
10	Gandhi and Education	
11	Ecology and Literature	
12	National Cadet Corps-I	
13	Panchkosha: Holistic Development of Personality	
14	Reading Indian Fiction in English	
15	Science and Society	
16	Social and Emotional Learning	
17	Sports for Life-I	
18	Swachh Bharat	
19	The Art of Being Happy	
20	Vedic Mathematics-I	
21	Yoga: Philosophy and Practice	
22	भारतीय भक्ति : परम्परा और मानव मूल्य	
23	साहित्य संस्कृति और सिनेमा	
24	सृजनात्मक लेख के आयाम	



VAC 1: भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य	02	1	0	1	Pass in Class 12 th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरूप से छात्रों का परिचय कराना
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को विकास होगा और वे एक अच्छे और चरित्रवान मनुष्य बन सकेंगे।
- भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्षों की जानकारी हो सकेगी।
- भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरूप की जानकारी से राष्ट्रीयता और अखिल

भारतीयता की भावना जागृत और मजबूत होगी।

- प्रमुख भक्त कवियों का परिचय और उनके विचारों की जानकारी हो सकेगी।

SYLLABUS OF परंपरा और मानव मूल्य

UNIT - I भारतीय भक्ति परंपरा

(5 Weeks)

- भक्ति : अर्थ और अवधारणा
- भक्ति के विभिन्न संप्रदाय और सिद्धांत
- भारत की सांस्कृति के एकता और भक्ति
- भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप

UNIT - II भारत के कुछ प्रमुख भक्त और उनके विचार

(5 Weeks)

संत ति रुवल्लुवर, आण्डाल, अक्कमहादेवी, ललद्यद, मीराबाई, तुलसीदास, कबीरदास, रैदास, गुरु नानक, सूरदास, जायसी, तकुराम, नामदेव, नरसिंह मेहता, वेमना, कंचु चन, नम्बियार, चतैन्य महाप्रभु, चंडीदास, सारला दास, शंकरदेव

UNIT - III मानव मूल्य और भक्ति

(5 Weeks)

मानव मूल्य का अर्थ

चयनित भक्त कवियों की जीवन मूल्यपरक कवि ताएँ

Practical component (if any) –

(15 Weeks)

- पाठ्यक्रम में उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि की रचनाओं में विभिन्न मानव मूल्यों के आधार पर प्रोजेक्ट
- वर्तमान समय में भक्ति की प्रासंगि कता को समझना; सर्व और साक्षात्कार पद्धति के आधार पर.
- जीवन में मानव मूल्यों के प्रति पालन पर सर्व और साक्षात्कार के आधार पर एक रि पोर्ट बनाना।

- उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि से संबंधि त किसी मठ, आश्रम या मंदिर आदि, अथवा कोई फ़िल्म/ डॉक्युमेंट्री के आधार पर रिपोर्ट बनाना.
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- Any other Practical/Practice as decided from time to time

Essential/recommended readings

- 'भक्ति का उद्भव और विकास तथा वैष्णव भक्ति के विविधरूप, भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक- डॉ नगेंद्र, हि ंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, पृष्ठ संख्या 215-250
- कुछ प्रमुख कवियों के चयनित पद
- 'भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य', शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
- 'मानव मूल्य और साहित्य, डॉ धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 1999

Suggested readings

- 'भक्ति के आयाम', डॉ. पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- 'हि ंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 'मध्यकालीन हि ंदी काव्य का स्त्री पक्ष', डॉ. पूनम कुमारी, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली
- 'मध्यकालीन हि ंदी भक्ति काव्य: पुनर्मूल्यांकन के आयाम', डॉ. पूनम कुमारी, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

VAC 1: साहित्य संस्कृति और सिनेमा

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
साहित्य संस्कृति और सिनेमा	02	1	0	1	Pass in Class 12 th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करना
- छात्रों को नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना
- भारतीय ज्ञान परंपरा, वैज्ञानिक दृष्टि कोण और तार्किक क्षमता को प्रोत्साहित करना
- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना
- सामूहिक कार्यों के माध्यम से सम्प्रेषण, प्रस्तुतीकरण एवं कौशल दक्षता विकसित करना

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों की समझ वि कसि त होगी
- भारतीय ज्ञान परंपरा और नैतिक मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा
- वैचारिक समझ एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा
- परियोजना के माध्यम से सम्प्रेषण एवं प्रस्तुति करण दक्षता का विकास होगा
- छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा

SYLLABUS OF साहित्य संस्कृति और सिनेमा

UNIT - I साहित्य, संस्कृति और सिनेमा का सामान्य परिचय (2 Weeks)

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा : परिभाषा और स्वरूप
- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा का अंतःसंबंध

UNIT - II साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा (6 Weeks)

- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा में परिकल्पना
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा की प्रासंगि कता
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा- आनंदमठ 1952, तीसरी कसम 1966, रजनीगंधा 1974, पद्मावत 2016

UNIT - III हिन्दी सिनेमा में सामाजिक - सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति (7 Weeks)

- सामाजिक - सांस्कृति के मूल्य
- सामाजिक - सांस्कृति के मूल्य के शक्ति शाली उपकरण के रूप में सिनेमा
- हिन्दी सिनेमा में अंतर्निहित सामाजिक - सांस्कृति के मूल्य - मदर इंडिया 1957, बंदिनी 1963, पूरब और पश्चिम 1970, हम आपके हैं कौन 1994, टॉयलेट: एक प्रेमकथा 2017

Practical component (if any) – (15 Weeks)

- भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित लघु फिल्म हेतु पटकथा लेखन (8-10 मिनट)
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण (8-10 मिनट); यह सामूहिक क्रियाकलाप होगा
- राष्ट्रप्रेम, कुटुंब, शांति, पर्यावरण, जल-संरक्षण, स्वच्छता, मित्रता, सत्यनिष्ठा, कर्मनिष्ठा, समरसता में से किसी एक विषय पर मूक फिल्म निर्माण (8-10 मिनट)
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- Any other Practical/Practice as decided from time to time

Essential/Recommended readings

- 'संस्कृति क्या है (निबंध) संस्कृति ,भाषा और राष्ट्र, रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती प्रकाशन,2008,पृष्ठ संख्या 60-64.
- साहित्य का उद्देश्य(निबंध) ,प्रेमचंद ,एस. के.पब्लिशर्स,नई दिल्ली,1988,पृष्ठसंख्या 7-18.
- भारतीय संस्कृति के स्वर,महादेवी वर्मा , राजपाल एंड संस प्रकाशन 2017 .
- हिंदी सिनेमा ; भाषा ,समाज और संस्कृति (लेख), पृष्ठ संख्या 11-18 भाषा ,साहित्य ,समाज और संस्कृति खंड 6,प्रो. लालचंद राम, अक्षर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,2020
- सिनेमा और साहित्य का अंतःसंबंध (लेख) पृष्ठ संख्या 30-34,साहित्य और सिनेमा, परुषोत्तम कंगुदे (संपा.) साहित्य संस्थान,2014
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण (लेख) पृष्ठ संख्या 206-212,लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ ,जवरीमल पारख, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा.लि., 2019

Suggested readings

- सिनेमा और संस्कृति ,राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, प्रकाशन वर्ष, 2018.
- जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल
- सिनेमा और संसार, उदयन वाजपेयी
- साहित्य,संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया(नि बंध)अज्ञेय, संपादकृष्णदत्तपालीवाल, सस्ता साहित्य मंडल,नई दिल्ली, 2010, पृष्ठसंख्या 25-41
- सिनेमा समकालीन सिनेमा ,अजय ब्रह्मात्मज,वाणी प्रकाशन,2006
- कल्चर इन्डस्ट्री रिकन्स डर्डः पृष्ठसंख्या- 98-106 कल्चरइन्डस्ट्री:थ्योडोरएडोर्नो , राउटलेज (भारतीयसंस्करण)
- दि सिग्निफिकेन्स ऑफ कल्चर इन अन्डस्टैंडिंग ऑफ सोशल चेंज इन कन्टेम्पररि इंडिया: पृष्ठसंख्या- 25-39.
- कल्चर चेंज इन इंडिया:आइडन्टिटी एंड ग्लोबलाइजेशन: योगेन्द्र सिंह .रावत पब्लिकेशन, जयपुर,भारत.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

VAC 1: सृजनात्मक लेखन के आयाम

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
सृजनात्मक लेखन के आयाम	02	1	0	1	Pass in Class 12 th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- सृजनात्मकता और भाषायी कौशल का संक्षिप्त परिचय कराना
- विचारों का प्रभावी प्रस्तुति करण करना
- सजूनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता को विकसित करना
- मीडि या लेखन की समझ विकसित करना

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- सजूनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता का विकास हो सकेगा
- लेखन और मौखिक अभियवित की प्रभावी क्षमता विकसित हो सकेगी
- मीडिया लेखन की समझ विकसित होगी
- विद्यार्थी में अपने परिवेश, समाज तथा राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा

SYLLABUS OF सृजनात्मक लेखन के आयाम

UNIT – I सृजनात्मक लेखन

(5 Weeks)

- सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरूप और बोध

- सृजनात्मक लेखन और परिवेश
- सृजनात्मक लेखन और व्यक्तित्व निर्माण

UNIT - II सृजनात्मक लेखन : भाषि क संदर्भ

(5 Weeks)

- भाव और विचार का भाषा में रूपान्तरण
- साहित्य क भाषा की विभिन्न छवि याँ
- प्रिटं तथा इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की भाषा का अंतर

UNIT - III सृजनात्मकता लेखन – विविध आयाम

(5 Weeks)

- कविता, गीत, लघु कथा
- हास्य - व्यंग्य लेखन,
- पल्लवन, संक्षेपण , अनुच्छेद

Practical component (if any) –

(15 Weeks)

- कक्षा में प्रत्येक वि द्यार्थी द्वारा 'मेरी पहली रचना' शीर्षक से किसी भी विधा में लेखन
- किसी भी साहित्यिक रचना का भाषा की दृष्टि से विश्लेषण
- इकाई- 3 में उल्लिखित विधाओं में विद्यार्थि यों द्वारा लेखन एवं सामूहिक चर्चा
- प्रत्येक इकाई से संबन्धित परि योजना कार्य:
 - i. समसामयिक विषयों पर किसी भी विधा में लेखन – बदलते जीवन मूल्य, महामारी, राष्ट्र निर्माण में छात्र की भूमि का, युवाओं के कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, लोकतन्त्र में मीडिया की भम्मि का, ऑनलाइन शॉपिंग अथवा अन्य समसामयिक विषय
 - ii. कि सी उत्सव, मेला, प्रदर्शनी, संग्रहालय और कि सी दर्शनीय स्थल का अभ्यास तथा उस पर परियोजना कार्य
- प्रिटं माध्यम के खेल, राजनीति , आर्थिक और फिल्म जगत आदि से जड़ी भाषा का भाषा की दृष्टि से विवेचन
- इलेक्ट्रोनिक माध्यम के समाचार, धारावाहिक, वि ज्ञापन आदि का भाषा की दृष्टि से विवेचन
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें

- Any other Practical/Practice as decided from time to time

Essential/recommended readings

- लेखन एक प्रयास, हरीश चन्द्र काण्डपाल
- रचनात्मक लेखन, सं. रमेश गौतम
- साहित्य - चितंन: रचनात्मक आयाम, रघुवंश

Suggested readings

- अग्नि की उड़ान, अबुल कलाम आज़ाद
- टेलीवि जन की भाषा - हरीश चन्द्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- छोटे पर्दे का लेखन, हरीश नवल
- काव्यभाषा : रचनात्मक सरोकार, प्रो. राजमणि शर्मा
- कविता रचना प्रक्रिया, कुमार विमल

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

विकास बहार
16/9/22
REGISTRAR

